

हिन्दी साहित्य का इतिहास

काल विभाजन और नामकरण

(डॉ. गणपति चंद्र गुप्त और नगेन्द्र)

डॉ. नवीन नन्दवाना

हिन्दी विभाग

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

डॉ. गणपति चंद्र गुप्त

- डॉ. गणपति चंद्र गुप्त ने 'हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास' में काल विभाजन का इस प्रकार किया है-
- 1. प्रारंभिक काल (1184-1350 ई.)
- 2. मध्यकाल (1350-1857 ई.)
 - पूर्व मध्यकाल (1350-1500 ई.)
 - उत्तर मध्यकाल (1500-1857 ई.)
- 3. आधुनिक काल (1857-1965 ई.)

डॉ. गणपति चंद्र गुप्त

- डॉ. गणपति चंद्र गुप्त का यह भी मत है कि हिंदी साहित्य के प्रारंभिक काल एवं मध्यकाल में तीन प्रकार का काव्य मिलता है-
- (i) धर्माश्रित काव्य
- (ii) राज्याश्रित काव्य
- (iii) लोकाश्रित काव्य।

डॉ. गणपति चंद्र गुप्त

- इन काल खंडों में विकसित काव्य परंपराओं का विवरण उन्होंने इस प्रकार दिया है-
- प्रारंभिक काल

धर्माश्रित काव्य –

- I. धार्मिक रास काव्य परंपरा
- II. संत काव्य परंपरा

डॉ. गणपति चंद्र गुप्त

- मध्य काल

- धर्माश्रित काव्य -

1. संत काव्य परंपरा

2. पौराणिक गीति परंपरा

3. पौराणिक प्रबंध काव्य परंपरा

4. रसिक भक्ति काव्य परंपरा

डॉ. नगेंद्र

- डॉ. नगेंद्र द्वारा सम्पादित हिंदी साहित्य का इतिहास में
- आदि काल
(7वीं शताब्दी मध्य से 14वीं शताब्दी मध्य तक)
- भक्ति काल
(14वीं शताब्दी मध्य से 17वीं शताब्दी मध्य तक)
- रीति काल
(17वीं शताब्दी मध्य से 19वीं शताब्दी मध्य तक)
- आधुनिक काल
(19वीं शताब्दी मध्य से आज तक)

डॉ. नगेंद्र

- आधुनिक काल (19वीं शताब्दी मध्य से आज तक)
 - पुनर्जागरण-काल (भारतेन्दु काल) 1857-1900 ई.
 - जागरण-सुधार काल (द्विवेदी काल) 1900-1918 ई.
 - छायावाद काल 1918-1938 ई.
 - छायावादोत्तर काल -.....
 - प्रगति-प्रयोग काल 1938-1953 ई.
 - नवलेखन काल 1953 ई. से....

सर्वमान्य काल विभाजन

- आदिकाल (769-1318 ई. तक)
- भक्तिकाल (1318-1643 ई. तक)
- रीतिकाल (1643-1843 ई. तक)
- आधुनिक काल (1857 से आज तक)

आधुनिक काल उपविभाजन

1. भारतेंदु युग 1857-1900 ई
2. द्विवेदी युग 1900-1918 ई
3. छायावाद 1918-1936 ई
4. प्रगतिवाद 1936-1943 ई
5. प्रयोगवाद 1943-1953 ई
6. नई कविता 1953-1960 ई
7. साठोत्तरी कविता 1960 से 1970
8. समकालीन कविता 1970-75 से अद्यतन

डॉ. गणपति चंद्र गुप्त

- राज्याश्रित काव्य

1. मैथिली गीति परंपरा
2. ऐतिहासिक रास काव्य परंपरा
3. ऐतिहासिक चरित काव्य परंपरा
4. ऐतिहासिक मुक्तक काव्य परंपरा
5. शास्त्रीय मुक्तक परंपरा

- लोकाश्रित काव्य

1. रोमांसिक कथा काव्य परंपरा
2. स्वच्छंद प्रेम काव्य परंपरा

धन्यवाद !